अर्द्धवार्षिक परीक्षा : 2022-23

कक्षा- 12

विषय-हिन्दी

समय : 2.30 घण्टे | पूर्णांक: 100

नोट- सभी प्रश्नों को करना अनिवार्य है। प्रश्न संख्या 1 और 2 बहुविकल्पीय प्रश्न है।

1क वासुदेशवशरण अग्रवाल द्वारा लिखित कृति है

(i) पुनर्वसु (ii) पृथ्वीपुत्र

(iii) आलोक पर्व (iv) धरती के फूल

(ख) 'अशोक के फूल' निबन्ध के लेखक हैं।

(i) रामचन्द्र शुक्ल (ii) जयशंकर प्रसाद

(iii) बालकृष्ण भट्ट (iv) महावीर प्रसाद द्विवेदी

(ग) 'आनन्द कादम्बिनी' पत्रिका के सम्पादक थे

(i) प्रताप नारायण मिश्र (ii) बालमुकुन्द गुप्त

(iii) राधाचरण गोस्वामी (iv) बदरी नारायन चौधरी

(घ) द्विवेदी-युग के लेखक है

(i) सदल मिश्र (ii) मोहन राकेश

(iii) सरदार पूर्णसिंह (iv) हजारी प्रसाद द्विवेदी

2क. 'विनयपत्रिका' किस काल की रचना है?

(i) आदिकाल (ii) भक्तिकाल

(iii) रीति काल (iv) आधुनिक काल

(ख) 'ज्ञानश्रयी शाखा' के प्रमुख कवि हैं-

(i) तुलसीदास (ii) सूरदास

(iii) कबीरदास (iv) जायसी

(ग) हिन्दी का प्रथम महाकाव्य माना जाता है

(i) 'रामचरित मानस' (ii) 'पद्मावत'

(iii) 'पृथ्वीराज रसो' (iv) 'रामचन्द्रिका'

(घ) छायावाद की विशेषता है

(i) इतिवृत्तात्मकता (ii) श्रृंगारिक भावना

(iii) सौन्दर्य और प्रेम (iv) उदेशात्मक वृत्ति

modelpaper.info

प्र०3. दिए गए गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

साहित्य, कला, नृत्य, गीत, अमोद-प्रमोद अनेक रूपों में राष्ट्रीय जन अपने-अपने मानसिक भावों को प्रकट करते हैं। आत्मा का जो विश्वववयापी आनन्द भाव है वह इन विविध रूपों में साकार होता है। यद्यपि बाह्य रूप की दृष्टि से संस्कृति के ये बाहरी लक्षण अनेक दिखाई पडते है किन्तु आन्तरिक आनन्द की दृष्टि से उनमें एक सूत्रता है। जो व्यक्ति सहृदय है वह प्रत्येक संस्कृति के आनन्द पक्ष को स्वीकार करता है और उसमें आनन्दित होता है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) सहृदय भक्ति किसे स्वीकार करके प्रसन्नचित होता है।

(iv) प्रत्येक संस्कृति के आनन्द पक्ष को कौन स्वीकार करता है?

(v) राष्ट्रीय जन अपने-अपने मानसिक भावों को किन-किन रूपों में प्रकट करते हैं?

अथवा

अशोक का वृक्ष जितना भी मनोहर हो, जितना भी रहस्मय हो, जितना भी अलंकारमय हो परन्तु है वह उस विशाल सामत-सभ्यता की परिष्कृत रूची का प्रतीक है जो साधारण प्रजा के परिश्रमों पर पली थी, उसके रक्त के संसार-कणों को खाकर बड़ी हुई थी और लाखों करोड़ों की उपेक्षा से जो समृद्ध हुई थी। वे सामन्त उखड गये, समाज ढह गए और मदनोत्सव की धूमधाम भी मिट गयी।

(i) सामन्त सभ्यता की परिष्कृत रूचि का प्रतीक कौन है?

(ii) पाठ का शीर्षक तथा लेख का नाम लिखिए।

(iii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iv) अशोक का वृक्ष किसका प्रतीम है?

(v) लाखों करोड़ों की उपेक्षा से कौन समृद्ध हुई थी।

प्र०4. दिए गए पद्यांशों पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

मुझे फूलमत मारो,
मैं अबला बाला वियोगिनी, कुछ तो दया विचारो।
होकर मधु मैं गीत, मदन, पटु तुम कटु गरल न गारो,
मुझे विकलत, तुम्हे विफलता, ठहरो श्रम परिहारो।
नहीं भोगिनी यह मैं कोई, तो तुम जाल पक्षारो।।
बल हो तो सिन्दुर-बिन्दु यह हरनेत्र निहारो।

Cont. on Page 3rd

modelpaper.info

(i) कविता का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) इस पद्यांश में वर्णित वंदना का सम्बन्ध किस पात्र से है?

(iii) रेखांकित अंशों का व्याख्या लिखिए।

(iv) इस कविता का सम्बन्ध साकेत के किस सर्ग से है?

प्र०5. बहादुर कहानी का सारांश लिखिए।

प्र०6. दिए गए श्लोक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

सुखार्थिनः कुतो विद्याकुतो विद्यार्थिनः सुखम्।
सुखार्थी व व्ययेद विद्या विद्यार्थी व व्यजेदसुखम्।

प्र०7. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए।

(i) अपना उल्लु सीधा करना (ii) उल्टी गंगा बहाना।

प्र०8. हिमालय का सन्धि-विच्छेद कीजिए।

प्र०9. वियोग एवं करूण रस का उदाहरण सहित परिभाषा लिखिए।

प्र०10. निम्न में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए।

(i) प्रदूषण की समस्या

(ii) वर्तमान समय में नारी सशक्तीकरण का स्वरूप

प्र०11. निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन परिचय लिखिए।

(i) वासुदेव शरण अग्रवाल (ii) कन्हैया लाल मिश्र प्रभाकर

(iii) डॉ० आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

प्र०12. निम्न कवियों में से किसी एक कवि का जीवन परिचय लिखिए।

(i) अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध (ii) मैथिली शरण गुप्त

(iii) जयशंकर प्रसाद

modelpaper.info